पाठ 22

अजय जब गाँव लौटे

लगभग तीस वर्षों के बाद आज अजय अपने पैतृक गाँव खुटकट लौटे हैं। यह गाँव जमुई जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर है। इसी गाँव में दादाजी के साथ उनका बचपन बीता है। वे जब 12 वर्ष के थे तब पिताजी के साथ पढ़ाई करने के लिए बोकारो चले गए थे ।

अजय अपने गाँव आकर काफी प्रसन्न और आश्चर्यचकित हैं। उनके समय में गाँव की गलियाँ कच्ची थीं और घर मिट्टी एवं खपरैल के बने थे। कुछ लोग फूस की झोंपड़ियाँ बनाकर भी रहते थे। शौचालय के लिए लोग नदी किनारे या खुले मैदानों, खेतों में जाते थे ।

बताइए –

1. आपके दादा–दादी या आपके बड़े जब आपकी उम्र के थे तब –

   (i) वे कहाँ रहते थे ?

   _____

   (ii) उनका घर किन किन चीज़ों से बना था ?

   _____

   (iii) क्या उनके घर में शौचालय था ?

   _____

   (iv) उनके घर में खाना कहाँ बनता था ? उसे क्या कहा जाता था ?

   _____

   (v) जलावन (ईंधन) के रूप में क्या क्या इस्तेमाल होता था ?

   _____

   (vi) क्या घर में पूजा के लिए कोई निश्चित जगह होती थी ? उसे किस नाम से जाना जाता था ?

   _____

अजय की यादें ताज़ा होने लगीं। बाग–बगीचे, खेत–खलिहान याद आने लगे। समय तेजी से बदला। बाहर की तरह गाँवों के घर भी पक्की ईंटों से बन गए हैं। छत भी सीमेंट की है। रसोईघर बड़ा हो गया और घर में शौचालय भी है।

2. आप किसी पक्की ईंट से बने घर को जाकर देखिए । पता कीजिए –

(i) इस प्रकार के घरों को बनाने में किन किन सामग्रियों का प्रयोग किया गया है?

————————————————————————————————

(ii) क्या घर में शौचालय है? यह किस प्रकार काम करता है ?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

(iii) शौचालय की सफाई कौन करता है?

————————————————————————————————

(iv) खुले में शौच जाने से क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं ?

————————————————————————————————

3. पहले और आज के घरों में काफी अंतर आ गया हैं। उन अंतरों को अपने शिक्षक की मदद से लिखिए –

क्र.स.	क्षेत्र	आज से 30–40 वर्ष पहले का घर	आज का घर
1.	बरामदा		
2.	दीवार		
3.	छत		
4.	शौचालय		
5.	पूजाघर		
6.	रसोईघर		
7.	कमरा		
8.	खिड़कियाँ		
9.	आँगन		
10.	मंजिल		

4. घर बनाने में विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग होता है ? कुछ सामान तैयार होकर बाहर से आता है और कुछ सामग्रियाँ वहीं पर स्थानीय रूप से तैयार की जाती हैं। आइए, उसकी एक सूची बनाइए –

(i) स्थानीय रूप से बननेवाले ————————————————————————

——

——

(ii) बाहर से आनेवाली ————————————————————————

——

——

5. अपने आस–पास में जहाँ मकान निर्माण का काम चल रहा हो वहाँ जाकर पता लगाइए–

(i) दीवार कैसे बनती है ?

——

——

——

(ii) घर की दीवार/ छत बनाने वाले कारीगर को क्या कहते हैं ?

——

——

(iii) राजमिस्त्री मकान बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों का प्रयोग करता है ? उनके नाम लिखिए–

————————— ————————— —————————

————————— ————————— —————————

————————— ————————— —————————

(iv) मकान बनाने में कई लोग काम करते हैं, फिर भी राजमिस्त्री एक मुख्य कामगार है। क्या राजमिस्त्री सिर्फ मकान ही बनाता है या अन्य चीज़ों का भी निर्माण करता है ? जरा सोचिए –

————————— ————————— —————————

————————— ————————— —————————

————————— ————————— —————————

आज अजय अपने गाँव आकर सोच रहे हैं, बाँस से बनी चचरी पुल क्या अब भी है? वे अपने विद्यालय इसी चचरी पुल को पार कर जाते थे। गाँव के लोगों ने बताया कि आज उसकी जगह पक्के पुल बन गए हैं।

बाँस से बना पुल

ईंट–सीमेंट से बना पुल

6. आपके आस–पास भी कोई पुल–पुलिया अवश्य होगा। उसे जाकर देखिए और बताइए।

(i) ईंट के पुल को सहारा किस चीज़ से दिया गया है ?

_____

_____

(ii) उसकी मोटाई का अनुमान कर लिखिये ?

_____

_____

(iii) ईंट का पुल बाँस के पुल से किस तरह अलग है ?

_____

_____

(iv) बाँस के पुल को एक समय में कितने लोग पार कर सकते हैं?

_____

_____

(v) आपको कौन सा पुल पारकर जाना ज्यादा अच्छा लगेगा? क्यों ?

_____

_____

(vi) क्या आपने अन्य प्रकार के पुल को कभी पार किया है ? वह आपको कैसा दिखाई दे रहा था ?

_____

_____

(vii) अपने दादा–दादी या बड़े–बुजुर्गों से पता कीजिए कि उनके बचपन में पुल कैसे होते थे?

_____

_____

हावड़ा ब्रिज

पटना का चिरैयाटाँड़ ओवरब्रिज

राजगीर का रज्जु मार्ग

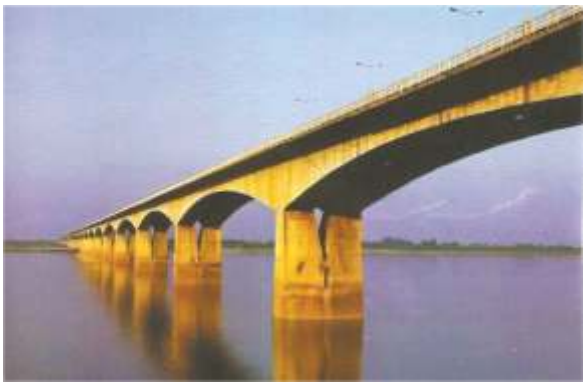

गंगा नदी पर बना महात्मा गाँधी सेतु

7. इन चित्रों के संबंध में अपने शिक्षकों से बातचीत कर जानकारी प्राप्त कीजिए और बताइए–

(i) क्या सभी प्रकार के पुल के पायों (पीलर) में ईंटों का ही प्रयोग होता हैं ? यदि नहीं तो उन सामग्रियों के नाम लिखिए।

_____

_____

(ii) पुल कहाँ– कहाँ बनाया जा सकता है ?

_____

_____

(iii) आपने कितने तरह के पुल–पुलियों को देखा है ? उनके नाम लिखिए।

_____

_____

____

____

(iv) सोचिए, अगर पुल–पुलिया नहीं होता तो क्या–क्या परेशानियाँ होतीं ?

____

____

अजय पुल पारकर बाजार जानेवाली मुख्य सड़क पर आए। उन्होंने देखा डेढ़ किलोमीटर के बीच बाग–बगीचे की जगह अब ईंट के चिमनी भट्टे खुल गए हैं। कच्ची ईंट बनाई जा रही हैं। आठ–दस चिमनियों से काला धुआँ लगातार निकल रहा था। चिमनी के आस–पास एवं सड़क पर चिमनी से निकली धूल, धुआँ, और राख उड़ रहे थे। ट्रैक्टर के टेलर से खुले में ही मिट्टी, रेत और ईंटों को ढोया जा रहा था। सड़क पर चलना कठिन हो रहा था । उन्होंने अपने नाक और मुँह पर रूमाल रख लिया और बाज़ार की ओर चल दिए।

8. बताइए–

(i) ईंट पकाने में कम से कम धुआँ निकले, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए?

____

____

(ii) इन धूल और धुआँ का वहाँ के निवासियों पर कम से कम प्रभाव पड़े, इसके लिए क्या क्या किया जाना चाहिए?

____

____

____

____

(iii) घनी आबादी के बीच ईंट चिमनी खोलना क्या उचित है ?

____

____

(iv) चिमनी भट्ठा कैसी जगह पर बनाना चाहिए ?

_____

_____

_____

(v) चिमनी भट्ठे पर बहुत सारे बच्चे अपने माता–पिता के साथ काम करते रहते हैं और विद्यालय नहीं आते हैं। उनके बारे में आप क्या सोचते हैं?

_____

_____

_____

(vi) क्या उन्हें काम करते रहना चाहिए या विद्यालय भी आना चाहिए?

_____

_____

_____

(vii) यदि वे विद्यालय नहीं आते हैं तो आप क्या कर सकते हैं?

_____

_____

_____

परियोजना कार्य

(i) राजमिस्त्री के उपकरण तथा भवन निर्माण में उपयोग में आनेवाले सामग्रियों का चित्र बनाइए।

(ii) ईंट, दिवाल, पुल–पुलिया का रेखांकन कीजिए।

(iii) मिट्टी बालू से खिलौने, पुल, घरौंदा आदि का निर्माण कीजिए।

(iv) आस–पास से एक ईंट लीजिए और उसके माप तौल लिखिए।

लम्बाई——————————से0 मी0 चौड़ाई ——————————से0 मी0

मोटाई ——————————से0 मी0 वजन ————————किलोग्राम ————— —ग्राम

(v) एक पर एक रखी छह ईंटों की कुल ऊँचाई कितनी होगी

——————————फीट ——————————इंच

(vi) इनकी कीमत पता कीजिए

क.	1000 ईंट	————————————————————————
ख.	1 बोरी सीमेन्ट	————————————————————————
ग.	1 क्विन्टल छड़	————————————————————————
घ.	1 बाँस	————————————————————————
ङ.	1 कुदाल	————————————————————————
च.	1 ट्रैक्टर रेत	————————————————————————

पाठ 23

आस-पास की खोज-खबर

पूजा के समय अगरबत्ती जलाते हैं, उसकी गंध आपको कैसी लगती है? ——————————

गाँव में भोज हुआ। पत्तल और बचा हुआ खाना बगल की नाली में फेंक दिया गया। वह सड़ गया। यह गंध आपको कैसी लगती है? ——————————————————————————

तरह–तरह की गंध

अलग–अलग चीज़ों की अलग–अलग गंध होती है। और कुछ चीज़ों से तो कुछ गंध नहीं आती।

1. नीचे बनी सारणी को वस्तुओं की गंध के आधार पर पूरा कीजिए।

क्र.सं.	वस्तु का नाम	गंधहीन वस्तु	गंधवाली वस्तु
1.	लहसुन		
2.	पानी		
3.	चॉक		
4.	पहना हुआ मोज़ा		
5.	पेंसिल		

2. क्या आप विभिन्न प्रकार की चीज़ों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं? नीचे बनी सारणी में भरिए कि आप कौन से फूलों, फलों, पौधों, पशुओं और पक्षियों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं?

क्र.सं.		जिन्हें आप पहचान सकते हैं
1.	फूल	
2.	फल	
3.	पौधे	
4.	पशु	
5.	पक्षी	

तरह–तरह की आवाज़ें

रात के अंधेरे में आपको मच्छर का पता कैसे लगता है? ————————————————————

हम अपने आस–पास कई तरह की आवाज़ें सुनते हैं। मधुर आवाज़ें सुनकर हम आनंदित होते हैं और कर्कश आवाज़ें या शोर सुनकर हम कान बंद कर लेते हैं।

3. (i) नीचे बनी सारणी में लिखिए कि आपको कौन सी आवाज़ें मधुर लगती हैं और कौन सी कर्कश?

क्र.सं.	मधुर आवाज़	कर्कश आवाज़
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

(ii) नीचे लिखी क्रियाओं के होने पर हमें कैसी आवाज़ें सुनाई देती हैं?

क्र.सं.	क्रिया	आवाज़
1.	टीन की छत पर पानी की बूँद गिरने पर	टप–टप–टप
2.	बादल के गरजने पर	
3.	घड़ी के चलने पर	
4.	स्कूल की घंटी	
5.	हवा से हिलती हुई पत्तियों की आवाज़	
6.	ताली बजाने पर	
7.	फर्श पर थाली गिरना	

4. इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के पशु–पक्षियों को भी आप बिना देखे उनकी आवाज़ से पहचान जाते हैं? सारणी में लिखे पशु–पक्षियों की आवाज़ें लिखिए।

क्र.सं.	पशुओं का नाम	आवाज	पक्षियों का नाम	आवाज़
1.	मुर्गा	कुकडूँकू	कौआ	काँव–काँव
2.	कुत्ता		चिड़िया	
3.	बकरी		कबूतर	
4.	गधा		तोता	
5.	बिल्ली		कोयल	

तरह–तरह के स्पर्श

हम बहुत सारी चीज़ों को गंध और आवाज़ के आधार पर पहचान पाते हैं। इसी प्रकार छूने से भी बहुत–सी बातों का पता चलता है। आपका हाथ जब लैम्प से सटता है तो आपको गर्म लगता है और आइसक्रीम ठंडी।

5. नीचे की सारणी में कुछ वस्तुओं के गुण दिए गए हैं। आप किन चीज़ों को छूकर इन गुणों का पता लगा सकते हैं?

क्र.सं.	वस्तु का गुण	वस्तुओं के नाम				
1.	गर्म					
2.	ठंडा					
3.	सूखा					
4.	गीला					
5.	चिकना					
6.	खुरदरा					
7.	लसलसा					
8.	नरम					
9.	कठोर					

6. (i) आप अपने दोस्त की आवाज़ को भीड़ में भी पहचान लेते होंगे। अपने किसी दोस्त की आँख पर रूमाल से पट्टी बाँध दीजिए। बारी–बारी से चार अन्य दोस्तों को विभिन्न दिशाओं से उसका नाम पुकारने और ताली बजाने के लिए कहिए। सही पहचाने जानेवाले दोस्त और दिशा को इस प्रकार अंकित कीजिए।

क्र.सं.	दोस्त का नाम	दोस्त की आवाज़ सही / गलत	ताली की आवाज़	
			दिशा	सही / गलत
1.	अशोक	✓	पूरब	✓
2.				
3.				
4.				
5.				

7. इस गतिविधि को आप पुनः किसी अन्य दोस्त की आँखों पर पट्टी बाँधकर कीजिए। अब आप बताइए–

(ii) क्या आपको आवाज़ और दिशा पहचानने में कठिनाई हुई? ——————————

(iii) अगर आपकी उम्र का कोई बच्चा बिल्कुल देख नहीं सकता हो, तो उसे क्या कठिनाइयाँ होती होंगी?

——————————————————————————————————————

(iv) अगर, कोई ऐसा बच्चा आपके स्कूल आता हो, तो आप उसकी कैसे मदद कर सकते हैं?

——————————————————————————————————————

——————————————————————————————————————

(v) क्या खेल के मैदान में आप ऐसे बच्चों के साथ खेलते हैं या उन्हें खेल से बाहर बैठा देते हैं? अगर किसी कारण से आपको खेल के मैदान से बाहर बैठना पड़े तो आपको कैसा लगता है?

——————————————————————————————————————

——————————————————————————————————————

सुनो कहानी रामपुर शाहाबाद के रहनेवाले पद्मश्री भरत मिश्र की। बचपन में उनकी आँखों की रोशनी चली गई। अगल–बगल के लोग कहने लगे अब इसकी ज़िन्दगी भी भीख माँगते गुज़रेगी। भरत मिश्र की दादी ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा, ये नहीं, लोग इससे भीख माँगेंगे। दादी ने गाँव के ही विद्यालय में इनका नाम लिखवा दिया। भरत मिश्र को पढ़ने में लगन लग गई। आगे की पढ़ाई के लिए उनका नाम पटना दृष्टिबाधित विद्यालय में लिखवाया गया। अपनी मेहनत और प्रतिभा की बदौलत उन्होंने न केवल मैट्रिक और इन्टर किया बल्कि राजनीति विज्ञान से एम.ए. और पीएच.डी. भी की। पीएच.डी. करने के बाद बहुत सारे विश्वविद्यालयों में उन्होंने व्याख्याता बनने के लिए आवेदन दिया। नौकरी देनेवाले लोग उनकी आँखें न रहने से हिचक जाते थे। ऐसे ही संघर्ष के समय वे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति वराहगिरि वेंकट गिरि से मिले। राष्ट्रपति भरत मिश्र से मिलकर काफी प्रभावित हुए। उनकी पहल पर मगध विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने। उनसे पढ़नेवाले विद्यार्थी कहते हैं कि वे भारतीय संविधान के जाने–माने विद्वान् थे। उनकी विद्वत्ता से महाविद्यालय के छात्र एवं अध्यापक सभी प्रभावित थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी भरत मिश्र का सामाजिक एवं समसामयिक समस्याओं पर प्रायः रेडियो से व्याख्यान प्रसारित होता रहता था। इनके मार्गदर्शन में सोलह विद्यार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। जब इन्होंने अपनी शादी के लिए अखबारों में विज्ञापन दिया तो 59 प्रस्ताव आए, जिसमें एक प्रस्ताव डा. धीरा मिश्र का भी था, जो इनकी सुयोग्य जीवनसंगिनी बनीं।

भरत मिश्र की कार्यक्षमता को देखते हुए 1979 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने इन्हें श्रेष्ठ निःशक्त कर्मचारी का पुरस्कार दिया तथा 1985 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के द्वारा इनको पद्मश्री से अलंकृत किया गया। निःसंदेह अंधत्व भरत मिश्र के लिए कभी बाधा नहीं बनी।

ऐसे निःशक्त व्यक्ति को आपकी दया नहीं बल्कि प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। इन्हें कार्यों को करने के लिए तैयार करने की ज़रूरत है।

8. नीचे बनी सारणी में इन लोगों के नाम जिन्होंने अपनी निःशक्तता के बावजूद बड़े–बड़े काम किए हैं? लिखिए।

क्र.स.	व्यक्ति का नाम	निःशक्तता का प्रकार	उपलब्धि
1.	सुधा चंद्रन	पैर कटा हुआ,	नृत्यांगना एवं अभिनेत्री
2.			
3.			
4.			
5.			

9. आपके आस–पास यदि इस प्रकार के व्यक्तित्व हों तो उनके संबंध में चार–पाँच वाक्य लिखिए।

_____

_____

_____

मुझे यह अच्छा नहीं लगता

रश्मि और उषा कित–कित खेलकर घर लौट रही थी। रश्मि को प्यास लग आई थी।

''चलो, मेरे घर चलो न, वहीं पानी पी लेना''; उषा ने रश्मि को खींचते हुए कहा।'

'तुम्हारे मामा तो घर नहीं होंगे न। अगर वे होंगे, तो मैं नहीं जाऊँगी', रश्मि ने कहा।

''लेकिन क्यों? मामा को तो तुम अच्छी भी लगती हो। वे तुम्हें मिठाई और चॉकलेट भी देते हैं'' उषा ने कहा।

रश्मि ने मीना से अपना हाथ छुड़ाया और बोली— 'तुम्हारे मामा से मुझे डर लगता है। वे मेरा हाथ पकड़ते हैं, तो मुझे अच्छा नहीं लगता'। यह कहकर रश्मि अपने घर चली गई।

10. बताइए—

(i) क्या आपको भी कभी किसी का छूना बुरा लगा है? किसका छूना आपको अच्छा नहीं लगा?

(ii) अगर आप रश्मि की जगह होते, तो क्या करते?

(iii) ऐसा होने पर और क्या किया जा सकता है?